

बड़े धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगा विश्व प्रसिद्ध शनिमंदिर

चर्चा में क्यों?

14 जनवरी, 2022 को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा मुरैना के सांसद नरेंद्र सहि तोमर ने कहा कि ज़िले के ऐंती गाँव की सुरम्य पहाड़ी पर स्थित विश्व प्रसिद्ध शनिदेव मंदिर का कायाकल्प किया जाएगा। मंदिर परिसर को बड़े धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- केंद्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि यह मंदिर धार्मिक और पर्यटन के एक बड़े केंद्र के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो, इसी को दृष्टिगत रखकर मंदिर के विकास की योजना बनाई गई है।
- शनिदेव मंदिर परिसर को भव्य रूप देने के लिये शनिपरिक्रमा मार्ग के साथ शनि सरोवर और शनिकुंड का निर्माण किया जाएगा। मंदिर के विकास को दो हिस्सों में बाँटा गया है- एक आंतरिक और दूसरा बाहरी विकास।
- आंतरिक विकास मंदिर परिसर के भीतर अत्याधुनिक तरीके से कराया जाएगा। इसी तरह बाहरी विकास में परिक्रमा मार्ग का निर्माण किया जाएगा। इसमें बजिली, सड़क, कनेक्टिविटी के अलावा परिक्रमा मार्ग में जन-सुवधाएँ, दुकानें और खानपान की सुवधाएँ मुहैया कराई जाएंगी, जिससे यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को किसी तरह की परेशानी न आए।
- वर्तमान में शनिमंदिर के दो परिक्रमा मार्ग हैं। एक 6 किलोमीटर दायरे में है, जबकि दूसरा परिक्रमा मार्ग 21 किलोमीटर लंबा है। लगभग 21 किलोमीटर लंबे परिक्रमा मार्ग में अन्य मंदिर भी हैं, उनका भी जीर्णोद्धार किया जाएगा। परिक्रमा मार्ग के दोनों ओर पौधरोपण के कार्य को भी जीर्णोद्धार योजना में शामिल किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि इस शनिमंदिर की गतिती देश के प्राचीन शनिमंदिरों में होती है। यही नहीं इस मंदिर का धार्मिक महत्त्व भी है, लेकिन बुनियादी सुवधाओं की कमी के कारण यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं को तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ता है।